

Padma Vibhushan



DR. PRABHA ATRE

Dr. Prabha Atre is an internationally renowned, senior most, front ranking vocalist. She is representing the Kirana gharana. She is maestro par excellence, a multi-faceted creative personality who has excelled as a brilliant thinker, academician, author, composer, researcher, reformer and guru. A Science & Law graduate, Doctorate in music, she worked with All India Radio and also as Professor & Head of the Department of Post-Graduate Studies & Research in Music at SNDT Women's University, Mumbai.

2. Born on 13th September, 1932, Dr. Atre has given a new dimension to Kirana gaayaki in particular and Hindustani classical music in general with her constant innovative, creative endeavour. She is the first vocalist to popularize Indian art music in the West since 1969, giving full-fledged vocal music concerts. She enriched Hindustani classical music by the aesthetic use of sargam and adding gamak of Carnatic music. She has created awareness in classical music towards tonal quality of voice and clarity in the pronunciation of words and its effective use to express emotions. Keeping with changing times, following logical reasoning, she advocated deletion of redundant practices to make shastra standard and easy for new comers. Drawing from different styles and cultures she made thumri genre richer in content and expression giving it a dignified look, setting it apart from the rendition of the courtesans.

3. Dr. Atre has released 11 books on a single subject (music), from a single stage - supposedly a world record. She is the first woman performer to compose and publish 3 books containing 550 compositions from classical to light music, reflecting changing trends and to write on various aspects of music making & contemporary music performance on the basis of logical reasoning & scientific perspective. Her Books in English help global music lovers to appreciate Indian music and are being used as reference books.

4. Dr. Atre's doctoral thesis on Sargam is the only pioneering work on the subject. As Professor & Head at SNDT University, she prepared Syllabus - first of its kind - holistic approach towards the study of music incorporating all genres from folk to classical music, Carnatic, Western & World music along with other fields of knowledge related to music like acoustics, aesthetics, sociology, etc., She has also prepared structured, standard teaching material making learning music fast and easy, filling the lacunae in teaching Hindustani music.

5. Dr. Atre has established 'Dr. Prabha Atre Foundation' to fulfil her socio-cultural commitments and established 'Swaramayee Gurukul' to nurture talented students into professionals & train music lovers. She is an active member of several social, educational, cultural institutions.

6. Dr. Atre has been honoured with the National Awards. This includes 'Padma Shri, 1990; 'Padma Bhushan, 2002 by the Government of India and 'Sangeet Natak Akademi' Award, 1991 amongst other prestigious honours and awards.

पद्म विभूषण



डॉ. प्रभा अत्रे

डॉ. प्रभा अत्रे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविख्यात, वरिष्ठतम और अग्रणी गायिका हैं। वह संगीत के किराना घराने से ताल्लुक रखती हैं। वह एक उत्कृष्ट विदुषी, एक बहुआयामी रचनात्मक शख्सीयत हैं जिन्होंने प्रखर विचारक, शिक्षाविद, लेखक, संगीतकार, शोधकर्ता, सुधारक और गुरु के रूप में उत्कृष्ट कार्य किया है। वह विज्ञान और कानून में स्नातक, संगीत में डॉक्टरेट हैं। उन्होंने आकाशवाणी में काम किया है और एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई के संगीत स्नातकोत्तर अध्ययन और शोध विभाग की प्रोफेसर और प्रमुख रही हैं।

2. 13 सितम्बर, 1932 को जन्मी, डॉ. अत्रे ने अपने निरंतर अभिनव और रचनात्मक प्रयासों के द्वारा विशेष रूप से किराना गायकी और समग्र रूप से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को एक नया आयाम दिया है। वह 1969 के बाद से पश्चिम में भारतीय संगीत को लोकप्रिय बनाने वाली पहली गायिका हैं। उन्होंने सरगम के सुंदर प्रयोग और कर्नाटक संगीत की गमक के मिश्रण से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को समृद्ध बनाया। उन्होंने शास्त्रीय संगीत में स्वर की गुणवत्ता, शब्दों के स्पष्ट उच्चारण और भाव अभिव्यक्ति में इसके शानदार प्रयोग के बारे में जागरूकता पैदा की है। बदलते समय को ध्यान में रखते हुए, तर्कसंगतता अपनाकर, उन्होंने उदीयमान कलाकारों के लिए शास्त्र को मानकता और सुबोधता प्रदान की और अनावश्यक अभ्यास को हटाने की वकालत की। उन्होंने विभिन्न शैलियों और संस्कृतियों से प्रेरणा ग्रहण करते हुए, विषयवस्तु और अभिव्यक्ति के मामले में ठुमरी शैली को समृद्ध बनाया, एक गरिमापूर्ण रूप दिया, और इसे दरबारी गायिकी से निकालकर एक अलग पहचान प्रदान की।

3. डॉ. अत्रे की एक मंच पर एक बार में संगीत पर लिखी हुई 11 पुस्तकों का विमोचन हुआ है जो शायद एक विश्व कीर्तिमान है। वह शास्त्रीय से लेकर सुगम संगीत तक 550 बंदिशों वाली 3 पुस्तकों की रचनाकार और उन्हें प्रकाशित करने वाली पहली महिला कलाकार हैं। इन पुस्तकों में उन्होंने बदलते रुझान को दर्शाया है और तर्कशीलता और वैज्ञानिक दृष्टि से संगीत रचना और सामयिक संगीत प्रदर्शन के विभिन्न पहलुओं पर लिखा है। अंग्रेजी में लिखीं उनकी पुस्तकें विश्व संगीत प्रेमियों को भारतीय संगीत का आनंद प्राप्त करने में मदद करती हैं और इनका इस्तेमाल संदर्भ पुस्तकों के रूप में भी किया जा रहा है।

4. डॉ. अत्रे का सरगम पर शोध कार्य एक मौलिक सृजन है। एसएनडीटी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और प्रमुख के रूप में, उन्होंने अपनी तरह का विशिष्ट पाठ्यक्रम तैयार किया है। यह कार्य संगीत अध्ययन की दिशा में एक ऐसा समग्र दृष्टिकोण है जिसमें लोक संगीत से लेकर शास्त्रीय संगीत, कर्नाटक, पश्चिमी और विश्व संगीत जैसी शैलियां, ध्वनि विज्ञान, सौंदर्यशास्त्र, समाजशास्त्र आदि से संबंधित अन्य क्षेत्रों की जानकारी का समावेश किया गया है। उन्होंने संगीत को तेजी से और आसानी से सीखने के लिए एक सुगठित और मानक शिक्षण सामग्री भी तैयार की है और हिंदुस्तानी संगीत सिखाने में आने वाली दिक्कतों को दूर किया है।

5. डॉ. अत्रे ने अपनी सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए 'डॉ. प्रभा अत्रे फाउंडेशन' और प्रतिभाशाली छात्रों को पेशेवर कलाकार के रूप में बढ़ावा देने और संगीत प्रेमियों को प्रशिक्षित करने के लिए 'स्वरमयी गुरुकुल' की स्थापना की है। वह अनेक सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक संस्थानों की एक सक्रिय सदस्य हैं।

6. डॉ. अत्रे को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इनमें अन्य सम्मान और पुरस्कारों के अलावा, भारत सरकार द्वारा 1990 का 'पद्मश्री'; 2002 का 'पद्म भूषण, और 1991 का 'संगीत नाटक अकादमी' पुरस्कार शामिल है।